जयपुर-भवानी नगर। आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् शम्भूदयाल बडगुर्जर,अध्यक्ष,राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड,राज. सरकार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. गीता,माउण्ट आबू, मदनलाल शर्मा, विनोद जैन,मा.आबू तथा ब्र.कु. हेमा।

मनोहरथाना-राज.। महाशिवरात्रि के अवसर पर भाजपा मण्डल अध्यक्ष प्यारे लाल तंवर को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निशा तथा ब्र.कु. केसर। साथ हैं सरपंच श्रीमति निखिलेश नामा तथा अन्य।

फिरोजाबाद-उ.प्र.। नव दुर्गा चैतन्य झाँकी के उद्घाटन पश्चात् उपस्थित हैं एस.एस.पी. साहब, ब्र.कु. सरिता तथा अन्य।

दिल्ली-बख्तावरपुर। ज्ञानचर्चा के पश्चात् बॉडी बिल्डर मिस्टर वर्ल्ड मुकेश सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. गीता।

जौनपुर-उ.प्र.। शिव जयंती के अवसर पर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष विवेक सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.नीलम तथा ब्र.कु.सुनीता।

चूरू-राज.। दुर्गाष्टमी महोत्सव को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.सुमन।

गीता में परमात्मा की तुलना प्रकृति से

- गतांक से आगे...

नक्षत्रों में चंद्रमा जैसी शीतलता है, तेजस्वी सूर्य समान है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके नजदीक भी कोई नहीं जा सकता। बाहर खड़े रहो धूप में तो क्या उसकी तेजोमय किरणें चुभती है? भगवान की किरणें कोई चुभने वाली नहीं है। तेजस्वी जरूर है सूर्य के समान लेकिन चंद्रमा जैसी शीतलता भी उसमें समायी हुई है। इतना शीतल वो प्रकाश है, चुभने वाला प्रकाश नहीं। फिर कहा समस्त पर्वतों में मेरू अर्थात् सर्वोच्च हूँ मैं। समस्त पुरोहितों में बृहस्पति, समस्त सेना नायकों में कार्तिकेय, इतना शक्तिशाली है, कल्याणकारी भी है। समस्त जलाशयों में समुद्र अर्थात् सर्वगुणों में सागर के तरह अनंत है। समस्त महर्षियों में भृगु की तरह, जिसकी विचारधारा सब बातों में उच्च है। वाणी में दिव्य ओमकार अर्थात् सर्वश्रेष्ठ ध्वनि ओमकार की है। तो इसी तरह परमात्मा की ध्वनि भी सर्वश्रेष्ठ है ओमकार की तरह, समस्त अंचलों में हिमालय की तरह है अंचल, कोई उसको हिला नहीं सकता है। समस्त वृक्षों में पीपल है। पीपल क्यों है? आज दुनिया में भी पीपल की पूजा की जाती है। पीपल और तुलसी की पूजा क्यों की जाती है। ये दो की पूजा अवश्य होती है। कारण है, पीपल और तुलसी दो ही ऐसे हैं जो चौबीस घंटा ऑक्सीजन प्रदान करते है। रात्रि के समय में भी पीपल ऑक्सीजन देता है। लोगों को प्राण वायु देता है। इसलिए उसकी पूजा करते हैं कि कोई उसको काटे नहीं। क्योंकि यही दो पेड़ है जो हमें चौबीस घण्टे ऑक्सीजन देते हैं। साथ ही साथ तुलसी के अंदर जो औषधि गुण हैं, वो भी बहुत महान है। इसलिए उसकी पूजा की जाती है। अर्थात् चौबीस घंटा परमात्मा भी कल्याणकारी है। सर्व के प्रति शुभ, जैसे कि प्राण वायु देने का कार्य, इंसान को सकाश व शक्ति देने का कार्य करते हैं। सिद्ध पुरुषों में कपिल हैं। गजराजों में ऐरावत है। इतना सुंदर दिव्य स्वरूप है। मनुष्य में राजा अर्थात् सर्वोच्च अथॉरिटी, सुप्रीम अथॉरिटी हैं परमात्मा। हथियारों में वज्र है। कोई उसको खत्म नहीं कर सकता है। गायों में सुरभि है, सबकी मनोकामना पूर्ण करने वाली। भक्तों में भक्तराज प्रह्लाद है। अर्थात् कितना अनन्य भाव है, सर्व के प्रति। पशुओं में सिंह शक्तिशाली है और पक्षियों में गरूड़ है। तीक्ष्ण बुद्धि है उसकी। शास्त्र धारियों में राम है। अर्थात् राम को जैसे आदर्श माना गया हर बात में, व्यवहार में, व्यक्तित्व आदि में, सब बातों में आदर्श बताया है। ऐसे परमात्मा भी सर्वश्रेष्ठ आत्मा है। नदियों में गंगा अर्थात् इतना पवित्र निर्मल है। समस्त विद्या में अध्यात्म विद्या ऊचें ते ऊंची। समस्त ऋतुओं में वसंत ऋतु अर्थात् सदाकाल वसंत की तरह सर्व के प्रति स्नेह का सुंदर प्रवाह चलता ही रहता है। समस्त मुनियों में व्यास की तरह, मैं समस्त सृष्टि का बीज रूप हूँ।

-ब्र.कु. उषा,वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

मेरी दिव्य विभूति का अंत नहीं है। इस तरह इक्कीस श्रेणी का वर्णन करते हुए उसकी सर्वोच्च शक्ति की, असीम ऐश्वर्य की महिमा बतायी और कहा मेरी दिव्य विभूति का अंत नही है, कितना भी वर्णन करता जाऊं तो भी असीम है। सारा ऐश्वर्य, सौन्दर्य तथा तेजस्वी सृष्टियां, वह सिर्फ मेरे स्वरूप का एक अंश है। संसार में जो कुछ भी आप देखते हो, मेरी तुलना में कुछ भी नहीं है। ये भगवान ने स्पष्ट कर दिया। इसका अर्थ यह नहीं कि परमात्मा कण-कण में व्यापक है, नहीं। भावार्थ समझो! भगवान स्थूल धरातल पर बात नहीं करते है। इस तरह से अपने असीम ऐश्वर्य की महिमा का वर्णन सुनाया कि इस दुनिया में वह असीम ऐश्वर्य, सौन्दर्य, तेज आपको कुछ भी देखने नहीं मिलेगा जो परमात्मा का दिव्य स्वरूप है। इस तरह से ग्यारहवें अध्याय में भगवान विश्व रूप का दर्शन कराते हैं। भगवान अर्जुन को दिव्य दृष्टि प्रदान करते हैं और विश्व रूप में अपना असीम स्वरूप प्रकट करते हैं।

- क्रमश:

नवरंगपुर-ओडिशा। 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ अभियान' के उद्घाटन अवसर पर मंच पर उपस्थित हैं जिला परिषद अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष, ब्र.कु. नीलम, ब्र.कु. सविता तथा अभियान यात्री।

मसूरी-हि.प्र.। भारत तिब्बत सीमा पुलिस अकादमी में त्रिदिवसीय 'तनाव नियंत्रण' कार्यशाला के पश्चात् समूह चित्र में आई.टी.बी.पी. के अधिकारियों तथा पुलिस कर्मचारियों के साथ ब्र.कु. अंकिता, ब्र.कु. कन्हैया, ब्र.कु. मेघा तथा अन्य।

मेरठ। महेन्द्र सिंह स्मारक इंटर कॉलेज मेरठ में टीचर्स के लिए 'रेस्पॉन्सिबिलिटी ऑफ टीचर्स' विषय पर कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु.श्वेता, बहन गरिमा, कालेज के निदेशक जयवीर सिंह तथा टीचर्स।

ख़्यालों के आईने में...

अंधेरा वहाँ नहीं है
जहाँ तन गरीब है,
अंधेरा वहाँ है जहाँ
मन गरीब है।
ना कुछ बुरा है
ना बढ़िया है,
जो कुछ है सब
आपका नज़रिया है।।

जीवन में असफलता से
कभी निराश ना हों,
यदि सफल हुए तो
नेतृत्व कर सकेंगे,
यदि असफल हुए तो
मार्गदर्शन दे सकेंगे।